सिटीजन चार्टर

संस्कृति विभाग, उत्तराखण्ड

भूमिका–

उत्तराखण्ड की गौरवमयी लोक पारम्परिक एवं पौराणिक आध्यात्मिक लोक सांस्कृतिक विरासत भारतवर्ष में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में अपना अलग स्थान रखती है। अनादिकाल से यह भूमि भारतीय दर्शन, चिन्तन, मनन, आध्यात्म, साधना तथा धर्म एवं संस्कृति का केन्द्र रही है। पवित्र गंगा–यमुना के उद्गम स्थल तथा मनीषियों एवं ऋषियों की तपस्थली, वेद पुराणों के रचना केन्द्र, देवभूमि के नाम से ख्याति प्राप्त इस क्षेत्र को विशेष महत्व दिया गया है। धर्म और दर्शन के साथ–साथ यहाँ के साहित्य, कला एवं संस्कृति से जुड़े हर पहलुओं को संरक्षित रखने एवं आम जनमानस को उत्तराखण्ड की संस्कृति से रू–ब–रू कराने के लिए राज्य में संस्कृति विभाग की स्थापना की गई है।

विभाग का उद्देश्य–

संस्कृति विभाग का मुख्य उद्देश्य राज्य की ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण–संवर्द्धन एवं उनका सर्वांगीण विकास करना है। इसी क्रम में राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के रख–रखाव एवं उन्नयन हेतु संगीत, नृत्य, नाटक, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक कला आदि का विकास तथा इनका व्यापक प्रचार–प्रसार, प्राचीन पुरातात्विक स्थलों एवं स्मारकों का संरक्षण, सर्वेक्षण, अनुरक्षण एवं प्राचीन अभिलेखों व दुर्लभ पाण्डुलिपियों को संग्रहीत कर उनका वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण तथा उत्तराखण्ड की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित रखना आदि महत्वपूर्ण कार्यों का सम्पादन करना है।

इन महत्वपूर्ण कार्यों के क्रियान्वयन से विभाग प्रदेश की संस्कृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के साथ–साथ भावी पीढ़ी को अपनी संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न कराने का कार्य भी करता है।

विभाग की प्रतिबद्धता–

संस्कृति के विभिन्न पक्षों के संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन, सास्कृतिक विरासत का संरक्षण , कलाकारों एवं सांस्कृतिक संगठनों के सकारात्मक प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए हम प्रतिबद्ध है।

संगठनात्मक ढांचा– संस्कृति विभाग के अधीन निम्नलिखित कार्यरत इकाइयाँ हैं–

- **संस्कृति निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून–** प्रदेश की ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं कलात्मक निधि के संरक्षण, उन्नयन, प्रदर्शन, प्रकाशन, अभिलेखीकरण एवं अध्ययन की दृष्टि से वर्ष 2001 में संस्कृति निदेशालय की स्थापना की गयी।
- **पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त राजकीय संग्रहालय, अल्मोड़ा**– प्रदेश में यत्र–तत्र बिखरे कलावशेषों के अधिग्रहण, संरक्षण, अभिलेखीकरण, प्रदर्शन, प्रकाशन एवं शोध को दृष्टिगत रखते हुए राजकीय संग्रहालय, अल्मोड़ा की स्थापना की गयी।

- **क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, अल्मोड़ा/पौड़ी**–प्रदेश में बिखरी पुरासम्पदा की खोज हेतु सर्वेक्षण, महत्वपूर्ण पुरास्थलों का उत्खनन, राज्य संरक्षित स्मारकों/स्थलों का अनुरक्षण व रख–रखाव एवं पुरावशेषों के प्रति जनचेतना जागृत करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, अल्मोड़ा एवं पौडी की स्थापना की गयी।
- **पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त, लोक कला संस्थान, अल्मोड़ा**–उत्तराखण्ड की लोक कलाओं का क्रमबद्ध अध्ययन, विकास, शोध, संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से सरकार द्वारा वर्ष 1989 में अल्मोड़ा में स्व0 गो0 ब0 पन्त लोक कला संस्थान की स्थापना की गयी।
- **राज्य अभिलेखागार, उत्तराखण्ड, देहरादून/क्षेत्रीय अभिलेखागार, नैनीताल**–अभिलेखों को भावी पीढ़ी के लिए धरोहर के रूप में सुरक्षित रखने एवं इनका लाभ भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित रखने के लिए राज्य अभिलेखागार एवं क्षेत्रीय अभिलेखागार की स्थापना की गयी है ।
- **पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृति योजना, नैनीताल**–राज्य स्तर पर पुरावशेषों की खोज, सूचीकरण, वर्गीकरण हेतु पुरावशेष शिविरों का आयोजन तथा उनके अभिलेखीकरण व छायांकन का कार्य कर पंजीकरण की कार्यवाही की जाती है।
- **भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, अल्मोड़ा/देहरादून/पौड़ी**–प्रदेश में शास्त्रीय संगीत, नृत्य एवं लोक संगीत के इच्छुक लोगों को प्रामाणिक एवं मानक शिक्षा देने व राज्य में संगीत के व्यापक प्रचार–प्रसार एवं अभिरूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से प्रदेश में तीन महाविद्यालय की स्थापना की गयी।
- **संस्कृति भवन (प्रेक्षागृह) पौड़ी**–राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शासकीय एवं अशासकीय सेमीनार/सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के आयोजन हेतु जनपद मुख्यालय पौड़ी में संस्कृति भवन (प्रेक्षागृह) की स्थापना की गयी।
- **रंगमण्डल, देहरादून/अल्मोड़ा**–प्रदेश के विभिन्न अंचलों में प्रचलित लोक गीत, लोक नृत्य एवं लोक नाटकों के वास्तविक रूप को जीवन्त रखने, रंगमंच को सही दिशा–निर्देश देने, पिछड़े अंचलों में सुसंगत नाट्य शिविरों का आयोजन तथा नाट्य कलाओं के सुव्यवस्थित एवं चहुमुखी विकास के उद्देश्य से रंगमण्डल, की स्थापना की गयी।
- **उत्तराखण्ड संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद, देहरादून**–प्रदेश में साहित्य, संस्कृति, संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, रंगमंच, प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, पुरातत्व एवं संस्कृति की अन्य विधाओं के संरक्षण एवं सुनियोजित विकास की दृश्टि से मार्ग–निर्देश गठित किये जाने एवं उनके क्रियान्वयन कराये जाने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद की स्थापना की गयी है।
- **राजकीय संग्रहालय एवं प्रेक्षागृह, पिथौरागढ़**–प्रदेश में यत्र–तत्र बिखरे कलावशेषों के अधिग्रहण, संरक्षण, अभिलेखीकरण, प्रदर्शन, प्रकाशन एवं शोध को दृष्टिगत रखते हुए राजकीय संग्रहालय, अल्मोड़ा के अतिरिक्त पिथौरागढ़ में अलग से एक संग्रहालय की स्थापना की गयी है।

- **शहीद स्मारक, रामपुर तिराहा, मुजफ्फरनगर।**

विभाग द्वारा प्रदत्त सेवाएं–

- ❖ सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं नाट्य समारोह का आयोजन।
- ❖ वृद्ध कलाकारों, लेखकों को मासिक पेंशन।
- ❖ सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान।
- ❖ विभागीय संग्रहालय, लोक संग्रहालय, संगीत विद्यालय, प्रेक्षागृह, सांस्कृतिक परिसर, नेहरू हेरिटेज सेन्टर आदि का निर्माण।
- ❖ सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं का क्रय एवं संरक्षित स्मारकों व प्राचीन भवनों का संरक्षण।
- ❖ धार्मिक यात्राओं हेतु प्रदेश के स्थाई निवासियों को आर्थिक सहायता।
- ❖ महान विभूतियों की वर्षगांठ का आयोजन।
- ❖ शहीद स्मारकों का निर्माण एवं महान विभूतियों की मूर्ति स्थापना।
- ❖ लेखकों को पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता।
- ❖ मेला समितियों को पारम्परिक एवं अन्य मेलों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता।
- ❖ संस्कृति के विभिन्न आयामों का आडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण। अभिलेखीय सुरक्षा कोषों, पुस्तकालयों एवं संग्रहालयों हेतु वित्तीय सहायता।
- ❖ लोक संगीत एवं लोक नृत्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन एवं डाक्यूमेंटेशन का कार्य ।
- ❖ अनुसूचित जाति के व्यक्तियों हेतु पारम्परिक वाद्ययंत्रों एवं वेष–भूशा का क्रय।
- ❖ जनजातीय कला एवं संस्कृति का अभिलेखीकरण, संरक्षण तथा उन्नयन हेतु योजना।

नागरिकों के शिकायतों के निवारण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता–

उत्तराखण्ड CM हेल्पलाइन नम्बर 1905 एवं सीएम हेल्पलाइन वेबसाइट cmhelpline.uk.govt द्वारा प्राप्त संस्कृति विभाग से सम्बन्धित सभी जन–शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाता है।

सम्पर्क करें–

पताः संस्कृति निदेशालय,
एम डी डी ए कॉलोनी,
चंदर रोड,
डालनवाला
देहरादून(उत्तराखण्ड)

टेलीफोन नंबर/फैक्सः 0135–2712595

ई–मेलः directorculture@gmail.com

- कृपया विभाग की सम्पूर्ण जानकारी एवं कार्यकलापों के संदर्भ में हमारी वेबसाइट uttarakhandculture.in का अवलोकन करने का कष्ट करें।